Rajshree
PAGE NO.
DATE

व्याकरण

लिंग - शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री अथवा पुरुष जाति के होने का पता चलता है, वह लिंग कहलाता है।

जैसे - बालक - बालिका, गायक - गायिका आदि

हिंदी में लिंग के दो भेद होते हैं।

1 पुल्लिंग 2) स्त्रीलिंग

1) **पुल्लिंग** - पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं।
जैसे - पुरुष, बालक, पेड़, घर आदि

निम्नलिखित नाम जो सदैव पुल्लिंग ही होते हैं, इनका स्त्रीलिंग नहीं होता,
जैसे - दिनों के नाम — पहाड़ों के नाम
देशों के नाम — समुद्रों के नाम
पेड़ों के नाम
महीनों के नाम (जनवरी जुलाई के छोड़कर)
राज्यों के नाम
ग्रहों के नाम (पृथ्वी को छोड़कर

2 **स्त्रीलिंग** - स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।
जैसे - सेठानी, माता, बीनती लोधिका आदि

कुछ नाम सदैव स्त्रीलिंग के रूप में प्रयोग किए जाते हैं,
जैसे - आपदा के नाम, नदियों के नाम, तिथियों के नाम
लिपियों के नाम, कोमल भावों के नाम, बोलियों के नाम

(P.T.O)

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
पूज्य	पूज्या
आदरणीय	आदरणीया
पति	पत्नी
माननीय	माननीया
फूफा	बुआ
नायक	नायिका
धोबी	धोबिन
संपादक	संपादिका
पंजाबी	पंजाबिन
पाठक	पाठिका
माली	मालिन
बालक	बालिका
सेठ	सेठानी
शिक्षक	शिक्षिका
बछड़ा	बछिया
घोड़ा	घोड़ी
दादा	दादी
मुर्गा	मुर्गी
नाना	नानी
बकरा	बकरी
सिंह	सिंहनी
मोर	मोरनी
डिब्बा	डिबिया
बूढ़ा	बुढ़िया
नौकर	नौकरानी
पुरुष	स्त्री
युवक	युवती
वर	वधू
सम्राट	साम्राज्ञी